दोस्तो पर सखावत और बाप के साथ अदावत

हज़रत मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.

महमुदुल मवाइज़ उर्दु से रिवायत का खुलासा लिप्यान्तर किया गया है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

अपने दोस्त के साथ भलायी का मामला करे और अच्छे सुलूक का मामला करे और बाप के साथ बेरग्बती का मामला और बदसुलूकी करे आजकल ये बात देखने मे आ रही है के दोस्तो की दावते हो रही है पार्टी या हो रही है और बाप ज़रूरतमंद और मोहताज़ है लेकिन उसकी तरफ बेटा तवज्जुह नही करता ये बाते आम होती जा रही है.

केहने का मतलब ये है के आदमी दूसरो के लिये भालायी करता फिरता है दोस्तो के पीछे अपना सब कुछ लगा रहा है लेकिन अपने बाप के लिये कुछ नही करता जिसने पूरी ज़िन्दगी गाडे पशीने की कमाई और मेहनत करके उसके पीछे खपायी और उसको बडा किया अब वो बडा हो के अपने बाप को भुल रहा है ये कितनी बडी ना इन्साफी है और अपने

ही बाप से दुश्मनी कर रहा है ये बहुत खतरनाक चीझ है ये अल्लाह को नाराज़ करने वाली बात है इससे हमको बचना चाहिये.

देवबंद मे एक साहब ने एक किस्सा बयान किया हजरत मौलाना अरशद साहब की जुबान से सुना के एक दुकानदारने मुज़ से कहा के फला दुकान पर जो बुढा बेठा है ये दुकान उसके बाप दादा के ज़माने से चली आ रही है एक मरतबा ये शख्स अपनी जवानी के ज़माने मे आया और अपने बाप को हाथ से पकड कर नीचे की तरफ खीच कर नाली के अन्दर डाल दिया उसके बाद उसकी शादी हुई और औलाद मे उसके यहा सिर्फ चार बेटीया थी कोई बेटा नही था.

उसका ये वाकिया मेरे दिल और दिमाग मे घुमता रेहता था मे सोचने लगा के मेने उल्मा से ये बात सुन रखी है के जो आदमी अपनी माँ या बाप के साथ बुरा सुलूक करता है तो उसकी औलाद उसके साथ वही मामला करती है उसने अपने बाप के साथ ये मामला किया था और उसका कोई लडका तो है नही वो आदमी केहता है एक दिन मेने देखा के उसकी चार

लडकीयो मेसे एक लडकी बुरका पेहन कर आयी और उस बुडे दुकानदार को उसी तरह हाथ पकड कर नीचे गिराया जैसे उसने अपने बापको गिराया था और नाली मे डाल दिया.

इसलीये अरबी मे कहावत है जिस्का तर्जुमा है के भाई जैसी करनी वैसी भरनी जैसा दुन्या मे माँ-बाप के साथ करोगे अल्लाह दुन्या मे भी वो मामला उसके साथ करवायेगा जो मामला उसने अपने माँ-बाप के साथ किया अल्लाह पाक पूरी उम्मते मुहम्मदीया की हिफाज़त फरमाये और माँ-बाप की कदरदानी नसीब फरमाये.